चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20-10-24	4	6-8

शिक्षण संस्थानों के लिए एक योग्य फैकल्टी का होना जरूरी : डॉ. मान

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स का समापन

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग का समापन हुआ। समापन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक शिक्षा योजना और गृह विज्ञान डॉ. बिमलेश मान मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रही।

मुख्यातिथि डॉ. विमलेश मान ने कहा कि सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है और कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों की जानकारी अपडेट रखने के लिए अपने कौशल को विकसित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा नियमित रूप से रिसर्च पेपर पढ़कर अनुसंधान एवं तकनीक की जानकारी को अपडेट रखा जा सकता है। शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत ज़रूरी है। किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि हम एकाग्रता व कड़ी मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी।

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में भाग लेने वाले प्रतिभागी।

फैकल्टी सदस्यों को समय-समय पर अपनी विषय से संबंधित जानकारी को अपडेट करते रहने के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। डॉ. मान ने नई शिक्षा नीति के बारे में बताते हुए कहा कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। उन्होंने नवनियुक्त प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय में नियुक्ति मिलने पर ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने ट्रेनिंग में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निर्देशक डॉ. रमेश यादव, संयोजक डॉ. रेणु मुंजाल, डॉ. जयंती टोकस, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. कनिका आदि रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20.10.24	3	1-4

प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत जरूरी : डा. विमलेश

इंडक्शन ट्रेनिंग के समापन पर मुख्यातिथि डा. विमलेश मान प्रतिभागियों के साथ।

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग का समापन हुआ। समापन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा योजना और गृह विज्ञान) डा. बिमलेश मान मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

मुख्यातिथि डा. विमलेश मान ने कहा कि सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है और कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों की जानकारी अपडेट रखने के लिए अपने कौशल को विकसित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से रिसर्च पेपर पढ़कर अनुसंधान एवं तकनीक की जानकारी को अपडेट रखा जा सकता है। शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत जरूरी है। किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि हम एकाग्रता व कड़ी मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी।

फैकल्टी सदस्यों को समय-समय पर अपनी विषय से संबंधित जानकारी को अपडेट करते रहने के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इस दौरान मुख्यातिथि ने ट्रेनिंग में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निर्देशक डा. रमेश यादव ने बताया कि इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक डा. रेणु मुंजाल ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने से प्रतिभागियों में आत्मविश्वास और मनोबल की बढ़ोतरी होगी। मंच का संचालन जीव रसायन विभाग की अध्यक्ष डा. जयंती टोकस ने किया जबकि प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह संयोजक डा. अनुराग ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। प्रतिभागी डा. दीपक कुमार और डा. कनिका ने अपने अनुभव विस्तार से बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	20.10.24	13	1-4

एचएयू में एक माह से चल रहे इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स का समापन

शिक्षण संस्थानों में योग्य व प्रतिस्पर्धी फैकल्टी आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से आयोजित किए गए एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग का शनिवार को समापन हुआ। समापन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा योजना और गृह विज्ञान) डॉ. बिमलेश मान मुख्य अतिथि रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

मुख्यातिथि डॉ. विमलेश मान ने कहा कि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है और कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों की जानकारी अपडेट रखने के लिए अपने कौशल को विकसित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से रिसर्च पेपर पढक़र अनुसंधान एवं तकनीक की जानकारी को अपडेट रखा जा सकता है।

हिसार। मुख्यातिथि डॉ. विमलेश मान प्रतिभागियों के साथ। फोटो:हरिभूमि

शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत जरूरी है। किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि हम एकाग्रता व कड़ी मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। फैकल्टी सदस्यों को समय -समय पर अपनी विषय से संबंधित जानकारी को अपडेट करते रहने के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

इस अवसर पर मुख्यातिथि ने ट्रेनिंग में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निर्देशक डॉ. रमेश यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रेणु मुंजाल ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने से प्रतिभागियों में आत्मविश्वास और मनोबल की बढ़ोतरी होगी। मंच का संचालन जीव रसायन विभाग की अध्यक्ष डॉ. जयंती टोकस ने किया जबकि प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ अनुराग ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। प्रतिभागी डॉ. दीपक कुमार और डॉ. कनिका ने कार्यक्रम के दौरान अपने अनुभव के बारे में विस्तार से बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20.10.25	5	6-8

शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत ज़रूरी : डॉ. विमलेश मान

हिसार, 19 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग का समापन हुआ। समापन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा योजना और गृह विज्ञान) डॉ. बिमलेश मान मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त वैज्ञानिकों ने भाग लिया। मुख्यातिथि डॉ. विमलेश मान ने कहा कि सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है और कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों की जानकारी अपडेट रखने के लिए अपने कौशल को विकसित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से रिसर्च पेपर पढ़कर अनुसंधान एवं तकनीक की जानकारी को अपडेट रखा जा सकता है। शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत जरूरी है। किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि हम एकाग्रता व कड़ी मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। फैकल्टी सदस्यों को समय -समय पर अपनी विषय से संबंधित जानकारी को अपडेट करते रहने के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

मुख्यातिथि डॉ. विमलेश मान प्रतिभागियों के साथ।

एचएयू में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स सम्पन्न

डॉ. मान ने नई शिक्षा नीति के बारे में बताते हुए कहा कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। उन्होंने नवनियुक्त प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय में नियुक्ति मिलने पर ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने ट्रेनिंग में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निर्देशक डॉ रमेश यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के मिशन, दृष्टिकोण, लक्ष्य व संस्थान के माहौल से अपने आपको अनुकूल बनाना जैसे विषयों से अवगत कराया जाता है ताकि वे अपने कर्तव्यों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक डॉ रेणु मुंजाल ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने से प्रतिभागियों में आत्मविश्वास और मनोबल की बढ़ोतरी होगी। मंच का संचालन जीव रसायन विभाग की अध्यक्ष डॉ. जयंती टोकस ने किया जबकि प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ अनुराग ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। प्रतिभागी डॉ. दीपक कुमार और डॉ. कनिका ने कार्यक्रम के दौरान अपने अनुभव के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	20.10.24	5	3-6

शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना जरूरी: डॉ. बिमलेश मान

- एचएयू में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स का समापन

मुख्यातिथि डॉ. विमलेश मान प्रतिभागियों के साथ।

हिसार(सच कहूँ/पुनीत वधवा)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग का शनिवार को समापन हुआ। समापन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा योजना और गृह विज्ञान) डॉ. बिमलेश मान मुख्यातिथि के तौर पर मौजूद रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त वैज्ञानिको ने भाग लिया।

मुख्यातिथि डॉ. बिमलेश मान ने कहा कि सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है और कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों की जानकारी अपडेट रखने के लिए अपने कौशल को विकसित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से रिसर्च पेपर पढ़कर अनुसंधान एवं तकनीक की जानकारी को अपडेट रखा जा सकता है। शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत जरूरी है।

किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि हम एकाग्रता व कड़ी मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। फैकल्टी सदस्यों को समय-समय पर अपनी विषय से संबंधित जानकारी को अपडेट करते रहने के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए कक्षा में अनुशासन अति आवश्यक है। शिक्षकों की भूमिका छात्रों के व्यक्तित्व विकास में अहम होती है इसलिए उन्हें अपना कार्य पूरी निष्ठा और लगन के साथ करना चाहिए। डॉ. मान ने नई शिक्षा नीति के बारे में बताते हुए कहा कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। उन्होंने नवनियुक्त प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय में नियुक्ती मिलने पर ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर मुख्यातिथि ने ट्रेनिंग में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निर्देशक डॉ. रमेश यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के मिशन, दृष्टिकोण, लक्ष्य व संस्थान के माहौल से अपने आपको अनुकूल बनाना जैसे विषयों से अवगत कराया जाता है ताकि वे अपने कर्तव्यों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रेणु मुंजाल ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने से प्रतिभागियों में आत्मविश्वास और मनोबल की बढ़ोतरी होगी। मंच का संचालन जीव रसायन विभाग की अध्यक्ष डॉ. जयंती टोकस ने किया जबकि प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. अनुराग ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। प्रतिभागी डॉ. दीपक कुमार और डॉ. कनिका ने कार्यक्रम के दौरान अपने अनुभव के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20.10.24	3	5-6

शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत जरूरी: डा. मान

मुख्यातिथि डॉ. विमलेश मान प्रतिभागियों के साथ

एच.ए.यू. में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स का समापन

हिसार, 19 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग का समापन हुआ। समापन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा योजना और गृह विज्ञान) डॉ बिमलेश मान मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त वैज्ञानिको ने भाग लिया।

मुख्यातिथि डॉ विमलेश मान ने कहा कि सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है और कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों की जानकारी अपडेट रखने के लिए अपने कौशल को विकसित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से रिसर्च पेपर पढ़कर अनुसंधान एवं तकनीक की जानकारी को अपडेट रखा जा सकता है। शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत जरूरी है। किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि हम एकाग्रता व कड़ी मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। डॉ. मान ने नई शिक्षा नीति के बारे में बताते हुए कहा कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने ट्रेनिंग में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	19.10.2024	---	--

शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य फैकल्टी जरूरी : डॉ. मान

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग का समापन हुआ। समापन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा योजना और गृह विज्ञान) डॉ बिमलेश मान मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त वैज्ञानिको ने भाग लिया।

मुख्यातिथि डॉ विमलेश मान ने कहा कि सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है और कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों की जानकारी अपडेट रखने के लिए अपने कौशल को विकसित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से रिसर्च पेपर पढ?र अनुसंधान एवं तकनीक की जानकारी को अपडेट रखा जा सकता है। शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत जरूरी है। किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि हम एकाग्रता व कड़ी मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। फैकल्टी सदस्यों को समय -समय पर अपनी विषय से संबंधित जानकारी को अपडेट करते रहने के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए कक्षा में अनुशासन अति आवश्यक है। शिक्षकों की भूमिका छात्रों के व्यक्तित्व विकास में अहम होती है इसलिए उन्हें अपना कार्य पूरी निष्ठा और लगन के साथ करना चाहिए। डॉ. मान ने नई शिक्षा नीति के बारे में बताते हुए कहा कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। उन्होंने नवनियुक्त प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय में नियुक्ति मिलने पर ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने ट्रेनिंग में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

मुख्यातिथि डॉ. विमलेश मान प्रतिभागियों के साथ

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निर्देशक डॉ रमेश यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के मिशन, दृष्टिकोण, लक्ष्य व संस्थान के माहौल से अपने आपको अनुकूल बनाना जैसे विषयों से अवगत कराया जाता है ताकि वे अपने कर्तव्यों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक डॉ रेणु मुंजाल ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने से प्रतिभागियों में आत्मविश्वास और मनोबल की बढ़ोतरी होगी। मंच का संचालन जीव रसायन विभाग की अध्यक्ष डॉ. जयंती टोकस ने किया जबकि प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ अनुराग ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। प्रतिभागी डॉ. दीपक कुमार और डॉ. कनिका ने अपने अनुभव के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	20.10.2024	---	--

शिक्षण संस्थानों के लिए प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना जरूरी : डा. विमलेश मान

मुख्यातिथि डा. विमलेश मान प्रतिभागियों के साथ।

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग का समापन हुआ। समापन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ विमलेश मान मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रही। मुख्यातिथि डॉ विमलेश मान ने कहा कि सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है और कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों की जानकारी अपडेट रखने के लिए अपने कौशल को विकसित करना बहुत जरूरी है। शिक्षण संस्थानों के लिए योग्य और प्रतिस्पर्धी फैकल्टी का होना बहुत जरूरी है। किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। डा. मान ने नई शिक्षा नीति के बारे में बताते हुए कहा कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने ट्रेनिंग में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निर्देशक डॉ रमेश यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के मिशन, दृष्टिकोण, लक्ष्य व संस्थान के माहौल से अपने आपको अनुकूल बनाना जैसे विषयों से अवगत कराया जाता है ताकि वे अपने कर्तव्यों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक डा. रेणु मुंजाल ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने से प्रतिभागियों में आत्मविश्वास और मनोबल की बढ़ोतरी होगी। मंच का संचालन जीव रसायन विभाग की अध्यक्ष डा. जयंती टोकस ने किया जबकि प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह संयोजक डा.अनुराग ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। प्रतिभागी डा. दीपक कुमार और डा. कनिका ने कार्यक्रम के दौरान अपने अनुभव के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।